पाठ ५ थाथू और मैं

बातचीत के लिए

इस कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बनाइए और अपने मित्रों से पूछिए।

उत्तर- कहानी में थाथा किसे कहा गया है?

लेखिका एक दिन किसके जैसी बनना चाहती है?

शब्दों का खेल

1.सही जगह पर चंद्रबिंदु लगाकर अपनी कॉपी में लिखिए।

(क) उची-नीची लहरें मेरे चारों तरफ़ उठती-गिरती हैं।

उत्तर. ऊँची-नीची लहरें मेरे चारों तरफ़ उठती-गिरती हैं।

(ख) "थाथू क्यों न हम चाद पर चलें?"

उत्तर. "थाथू क्यों न हम चाँद पर चलें?"

(ग) मेरी उगलिया कुतरती हैं।

उत्तर. मेरी उँगलियाँ कुतरती हैं।

(घ) उनके साथ मैं कूदती-फाद्ती घर आ जाती हूँ।

उत्तर. उनके साथ मैं कूदती-फाँदती घर आ जाती हूँ।

2. नीचे दिए गए शब्द उल्ट-पलट हो गए हैं। शब्दों को सही क्रम में लगाकर वाक्य अपनी काँपी मेंलिखिए।

(क) साथ के रहती हूँ मैं दादाजी।

उत्तर. मैं दादाजी के साथ रहती हूँ ।

(ख) तट समुद्र जाते हम पर हैं।

उत्तर. हम समुद्र तट पर जाते हैं।

(ग) हैं थाथू मुस्कुराते।

उत्तर. थाथू मुस्कुराते हैं ।

(घ) हूँ मैं कहती 'थाथा' उन्हें।

उत्तर. उन्हें मैं 'थाथा' कहती हूँ।

egyanarchive

झटपट कहिए

1. फूफा के फुग्गा पर फिर मिला फलाहारी फाफड़ा।

2. भैया भाभी को भायी भागलपुर की भरी भरकम भेंट।

उत्तर.

1. फूफा के फुग्गा पर फिर मिला फलाहारी फाफड़ा।

2. भैया भाभी को भायी भागलपुर की भारी भरकम भेंट।

egyanarchive